18/9/2020

Part 'B' Ch-3

Long Answers —

Q1) नियोजन तथा विकास के बारे में नेहरू के प्रतिमान के पीछे क्या उद्देश्य थे।

Ans → नेहरू समाजवादी विचारधारा से प्रभावित थे। उन्होंने नियोजन के द्वारा देश के विकास का रास्ता चुना। इसके पीछे मुख्य उद्देश्य निम्न प्रकार से थे —

i) आर्थिक क्षेत्र में राज्य के प्रतिबंधों को बढ़ाना।
ii) विदेशी पूंजी व तकनीकी के प्रवेश पर रोक लगाना।
iii) निजी क्षेत्र को नियंत्रित करके सार्वजनिक क्षेत्र को प्रोत्साहन देना।
iv) मिश्रित अर्थव्यवस्था का प्रतिमान स्थापित करना तथा
v) यदि आवश्यक हो तो जनहित में कानून की शक्ति से तथा उचित मुआवजा देकर निजी संपत्ति का राष्ट्रीयकरण करना।

Q2) विकास के बारे में गांधी जी व नेहरू के प्रतिमानों में अंतर बताइए।

Ans → गांधीजी के प्रतिमान में भौतिक ही नहीं

Part 'B' · Ch- 3

*

वरन आध्यात्मिक व सांस्कृतिक स्तरों पर भी विकास हो, कुटीर उद्योग-धन्धों के महत्व को समझा जाए, भारी स्तर पर औद्योगीकरण न हो क्योंकि इससे बेकारी बढ़ेगी, कृषि के विकास को सर्वाधिक महत्व दिया जाए।

इसके विपरीत नेहरू जी के प्रतिमान में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विकास को कोई जगह नहीं है। सारा जोर भारी औद्योगीकरण पर है, मिश्रित अर्थव्यवस्था की प्रशंसा की गई है।

Q3/ आयोजित अर्थव्यवस्था तथा मिश्रित अर्थव्यवस्था में अंतर बताइए।

Ans => आयोजित अर्थव्यवस्था साम्यवादी राज्यों में होती है जहाँ निजी संपत्ति का बलपूर्वक राष्ट्रीयकरण किया जाता है तथा सारी अर्थव्यवस्था पर राज्य का प्रभुत्व स्थापित हो जाता है। कृषि व उद्योग पूर्णतया राज्य के अधिकार में होते हैं। स्टालिन ने सोवियत संघ में इसी प्रकार की अर्थ-व्यवस्था स्थापित की। इसके विपरीत मिश्रित अर्थव्यवस्था में निजी संपत्ति व उद्योग बने रहते हैं यद्यपि उन पर राज्य का कठोर नियंत्रण होता है।

*

Scanned by CamScanner

Part 'B' Ch-3

classmate
Date ______
Page ______

* सार्वजनिक क्षेत्र व निजी क्षेत्र के उद्यमों के बीच प्रतियोगिता चलती रहती है किंतु सहयोग व समन्वय भी बना रहता है। भारत ने मिश्रित अर्थव्यवस्था अपनाई है।

Q 4) समाजवाद व पूँजीवाद में अंतर बताइये।

Ans ⟹ राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के प्रबंधन और नियंत्रण के बारे में दो सिद्धांत हैं। पूँजीवाद निजी अर्थव्यवस्था का ~~समर्थन~~ समर्थन करता है ताकि वस्तुओं के उत्पादन व वितरण के साधन खुले हों, मुक्त बाजार हो, मुक्त प्रतियोगिता हो, तभी राज्य की आर्थिक प्रगति हो सकती है।

इसके विपरीत समाजवाद अर्थव्यवस्था की निंदा करता है, क्योंकि धनी वर्ग निर्धन वर्ग का शोषण व उत्पीड़न करता है। निजी अर्थव्यवस्था पर राज्य का कठोर नियंत्रण होना चाहिए, वस्तुओं का उत्पादन व वितरण व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं बल्कि समाज के हित में होना चाहिए। सार्वजनिक क्षेत्र को बढ़ावा दिया जाना चाहिए तथा महत्वपूर्ण उद्योग-धंधों का राष्ट्रीयकरण किया जाना चाहिए।

Scanned by CamScanner

Part 'B' Ch-3

Q5/ हरित क्रांति क्या थी? हरित क्रांति के एक सकारात्मक और एक नकारात्मक परिणामों का उल्लेख कीजिए।

Ans → हरित क्रांति — देश में सभी को भोजन उपलब्ध कराने के लिए खाद्यान्न उत्पादन में तीव्र वृद्धि की आवश्यकता थी। सरकार ने इसके लिए साठ के दशक में किसानों को उन्नत गुणवत्ता के बीज उर्वरक कीटनाशक और बेहतर सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराये। इससे खाद्यान्न उत्पादन के क्षेत्र में व्यापक वृद्धि हुई जिसे हरित क्रांति कहा गया।

हरित क्रांति के सकारात्मक परिणाम यह थे कि —

(i) किसानों में जागृति — हरित क्रांति से किसानों की आर्थिक दशा में सुधार हुआ है। किसान पहले की अपेक्षा अधिक शिक्षित हो रहे हैं तथा उनकी राजनीतिक भागीदारी बढ़ी है।

(ii) किसानों में संगठन — हरित क्रांति के बाद किसानों की आर्थिक दशा सुधरी एवं उनमें संगठनात्मक एकता की भावना का विकास होने लगा।

Scanned by CamScanner

Part 'B' ch-3

*

इसका नकारात्मक परिणाम यह था कि इसका लाभ देश के कुछ चुने हुए क्षेत्रों को ही मिला। और उपजाऊ क्षेत्र के किसानों की गरीबी में कोई कमी नहीं आयी।

Q6/ श्वेत क्रांति क्या है?

Ans> श्वेत क्रांति का तात्पर्य देश में दूध उत्पादन में तीव्र वृद्धि के लिए किए गए सुनियोजित प्रयासों से है। श्वेत क्रांति क्रांति का ही परिणाम है कि आज भारत विश्व में सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश बन चुका है। श्वेत क्रांति के अन्तर्गत सहकारी संगठनों का निर्माण, अच्छी नस्ल के पशुओं की व्यवस्था तथा वैज्ञानिक तकनीकों का प्रयोग करके दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हासिल की गयी।

Q7/ प्रथम पंचवर्षीय योजना के क्या उद्देश्य थे?

Ans> प्रथम पंचवर्षीय योजना के प्रमुख उद्देश्य निम्न प्रकार से थे —

(i) कृषि पर सबसे अधिक जोर दिया गया, बाँध और सिंचाई के क्षेत्र में निवेश किया गया। भूमि सुधार पर भी जोर दिया गया।

*

Scanned by CamScanner

Part-'B' Ch- 3

*(ii) उत्पादन क्षमता में वृद्धि तथा आर्थिक विषमता को यथासंभव कम करना।

(iii) खाद्यान्न संकट का समाधान करना तथा कच्चे मालों की उत्पादन स्थिति को सुधारना।

(iv) द्वितीय विश्वयुद्ध तथा देश के विभाजन के फलस्वरूप क्षतिग्रस्त हुई अर्थव्यवस्था का पुनरुत्थान करना।

Q.8/ दूसरी पंचवर्षीय योजना का क्या उद्देश्य था?

Ans→ दूसरी पंचवर्षीय योजना का मुख्य उद्देश्य औद्योगीकरण पर बल देना था। इसमें यह स्वीकार किया गया था कि कृषि की तरह उद्योग के क्षेत्र में भी यथा शीघ्र विकास होना चाहिए।

—————x—————x—————

Scanned by CamScanner